

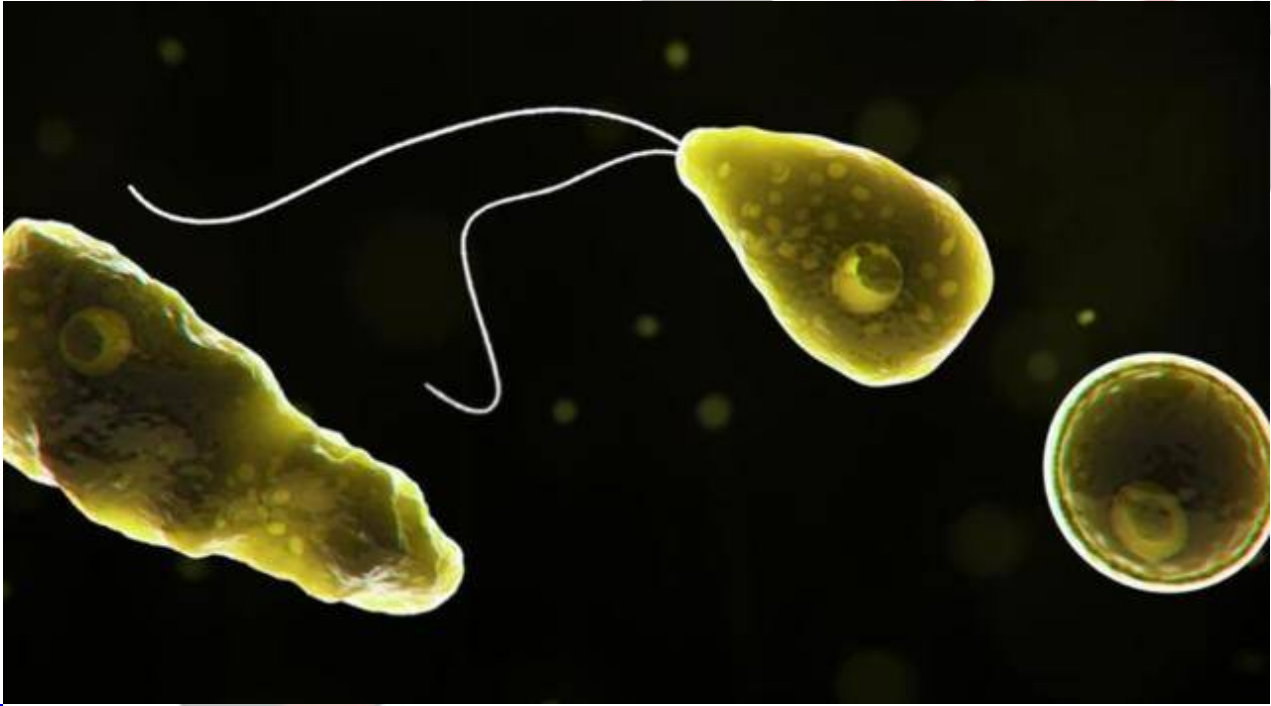
## नेगलेरिया फाउलेरी: "ब्रेन ईटिंग अमीबा"

हाल ही में केरल के अलापपुझा ज़िले में एक व्यक्ति की [नेगलेरिया फाउलेरी \(Naegleria Fowleri\)](#), एक दुर्लभ संक्रमण के कारण एक सप्ताह तक तेज़ बुखार और अंगों में शथिलता आने के बाद के मृत्यु हो गई।

### नेगलेरिया फाउलेरी:

#### परिचय:

- नेगलेरिया फाउलेरी, जिसि आमतौर पर "ब्रेन ईटिंग अमीबा" के रूप में जाना जाता है, एक एकल-कोशिका वाला जीव है जो झीलों, ऊष्म झरनों और खराब रख-रखाव वाले स्वमिगि पूल जैसे गर्म ताज़े जलीय वातावरण में पाया जाता है।
- यह एक सूक्ष्म जीव है, जिसि कारण इसे केवल माइक्रोस्कोप से ही देखा जा सकता है।
- अमीबा नासिका के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है और गंभीर मस्तिष्क संक्रमण का कारण बन सकता है जिसि प्राइमरी अमीबिक मेनगिओएन्सेफलाइटिस (PAM) कहा जाता है।



#### मानव शरीर में संचरण:

- दूषित जल में तैरने अथवा गोता लगाने या धार्मिक अनुष्ठानों के लिये उपयोग जैसी गतिविधियों के दौरान यह आमतौर पर नाक नासिका और मुख के माध्यम से संचरति होता है।
- यह घ्राण तंत्रिका के माध्यम से मस्तिष्क में चला जाता है जिससे मस्तिष्क के ऊतकों में गंभीर सूजन होता है फरि ये उत्तक नष्ट हो जाते हैं।
- नेगलेरिया फाउलेरी संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे में नहीं फैलता है।

#### जोखमि:

- हालाँकि मानव शरीर नेगलेरिया फाउलेरी के प्रति सामान्यतः संवेदनशील होता है, फरि भी इसका संक्रमण अत्यंत दुर्लभ होता है।
- कमज़ोर प्रतिरक्षा तंत्र, नासिका अथवा साइनस की दीर्घकालिक समस्या, गर्म ताज़े जल के संपर्क में आना आदि जैसे कुछ कारक इसकी सुभेद्यता को बढ़ा सकते हैं।

#### लक्षण और पूरवानुमान:

- लक्षण आमतौर पर संक्रमण के एक सप्ताह के अंदर दिखाई देते हैं और इसमें गंभीरसरिदर, बुखार, मतली, उल्टी, गर्दन में अकड़न, भ्रम, दौरे एवं मतभ्रम शामिल हैं।
- संक्रमण तेज़ी से बढ़ता है और कोमा तथा मृत्यु का कारण बन सकता है। इसमें जीवित रहने की संभावना कम होती है।

■ **इलाज:**

- उपचार में दवाओं का संयोजन शामिल है।
- दवा **मलिटेटोफोसनि** ने प्रयोगशाला सेटगिस में नेगलेरिया फाउलेरी को खत्म करने में प्रभावकारिता दिखाई है और कुछ जीवित बचे लोगों के उपचार में इसका सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है।
- उपचार के बाद भी **97 प्रतिशत की दर्ज मृत्यु दर के साथ नेगलेरिया फाउलेरी संक्रमण से बचने की संभावना कम रहती है।**

## स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/naegleria-fowleri-the-brain-eating-amoeba>

